सांध्य दैनिक

4PM

एक कार्टूनिस्ट को एक महान आदमी में नहीं एक हास्यास्पद आदमी में आनंद मिलता है।
-आरके लक्ष्मण

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 273 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 11 नवम्बर, 2025

आईपीएल 2026 : क्या रोहित -अभिषेक की... 7 | कांग्रेस का राज्यों पर फोकस... 3 | पीडीए का एक भी वोट नहीं कटन... 2

दिल्ली का विस्फोट और बिहार की वोटिंग का तिलिस्म?

धमाकों से भी नहीं डिगा लोकतंत्र का पथ

- बिहार में जमकर वोट देने निकल रहे लोग
- लंबे समय तक याद रखा जाएगा बिहार वोटिंग का दूसरा चरण
- हिंसा, नकदी, प्रत्याशियों को परेशान करने की घटनाएं आ रही है सामने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इतिहास गवाह है कि जब-जब चुनाव आते हैं तब-तब देश के किसी कोने से धमाके की गूंज भी साथ आती है। 2008 के दिल्ली ब्लास्ट, 2011 के हाईकोर्ट विस्फोट, 2019 में पुलवामा, और अब 2025 का लालकिला धमाका। यह बताने के लिए काफी है कि धमाके तभी हुए है जब समय चुनावी रहा है और एजेंडा हमेशा धुंधला।

बाहरहाल सुरक्षा एजेंसियां मुस्तैद है और आतंकवादी चाहे जहां छुपे हो उन्हें ढूंढ लेगी। वही ताजा खबर बिहार चुनाव में वोटिंग मुस्तैदी से चल रही है। आज दूसरे चरण के मतदान में बाकी बची 122 विधानसभा क्षेत्रों में लोग उत्साह के साथ वोट डालने घरों से बाहर आ रहे है। बिहार चुनाव में पहले चरण में लगभग 64.66 फीसदी लोगों ने वोट डाले थे। हालांकि आज मतदान केन्द्रों पर हिंसा नकदी बरामदगी, चुनाव चिन्ह के साथ पोलिंग पर्चियां बांटने जैसी घटनाएं भी थोक के भाव में सामने आ रही है।

'अब जुमले नहीं चलेंगे'

महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि परिवर्तन का शंखनाद हो चुका है और बिहार सिर्फ परिणाम चाहता है। तेजस्वी यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि सबसे पहले हृदय से आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने प्रथम चरण में रिकॉर्ड तोड़ मतदान किया और पूरे देश को ये संदेश दिया कि अब भाषण और जुमले नहीं चलेंगे अब परिवर्तन का शंखनाद हो चुका है और बिहार सिर्फ परिणाम चाहता है।

ज्योति सिंह ने पुलिस द्वारा परेशान किये जाने की बात कही

बिहार में काराकाट विधानसभा से चुनाव लड़ रही ज्योति सिंह ने आरोप लगाये हैं कि पुलिस उन्हें बेवाजह परेशान कर रही है। ज्योति सिंह ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है जिसमें वह रात के समय पुलिस की गाड़ी के सामने दिख रही हैं और उनके साथ बाकी लोग भी मौजूद हैं। वीडियो में ज्योति पुलिस से कह रही हैं कि बिना महिला कॉस्टेबल के आप कैसे आ गए और कैसे उनके मैनेजर को परेशान किया जा रहा है। ज्योति का कहना है कि पुलिस 4 घंटों से उन्हें परेशान कर रही है और चुनाव न लड़ने का दबाव बना रही है। उन्होंने वीडियो पोस्ट कर बिहारवासियों के लिए लिखा है कि आप लोग वोट से जवाब दें। मेरे साथ इंसाफ आप ही को करना है खासकर माता बहनों से विनती है।

दो गिरफ्तार, बांट रहे थे पर्चियां

मोतिहारी के बूथ नंबर 229 और 230 पर उम्मीदवारों की तस्वीरें और चुनाव चिन्ह दिखाकर पर्ची बांट रहे भाजपा के दो पोलिंग एजेंट को गिरफ्तार किया गया है। राजद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिये चुनाव आयोग से शिकायत की थी। शिकायत में कहा गया था कि मोतिहारी के सभी बूथों से ऐसी ही शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। पार्टी ने बिहार निर्वाचन आयोग को टैग भी किया। इस पर चुनाव आयोग ने संज्ञान लेते हुए बताया है कि मामले का संज्ञान लिया गया है प्राथमिकी दर्ज की गई है और दो गिरफ्तारियां की गई हैं। बिहार चुनाव के दूसरे चरण के बीच राजद अपने एक्स हैंडल पर कई तरह की शिकायतों को पोस्ट कर रहा है।

मतदान अवश्य करें

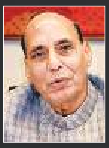

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मतदाताओं अपील करते हुए कहा है कि आपका एक-एक मत अमूल्य है इसलिए मतदान अवश्य करें। आपका वोट राज्य को मजबूत करेगा। वहीं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है कि बिहार की जनता अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए दूसरे चरण का मतदान करने वाली है। सभी मतदाताओं और विशेषकर पहली बार अपने मताधिकार का उपयोग कर रहे सभी युवाओं से आग्रह है कि लोकतंत्र के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें व बिहार की विकास यात्रा को नई गति प्रदान करने के लिए मतदान अवश्य करें।

उपचुनाव के लिए भी पड़ रहे वोट

आज देश के 7 राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के लिए भी वोटिंग हो रही है। इन चुनावों के नतीजे भी बिहार विधानसभा चुनाव के साथ 14 नवंबर को ही आएंगे। आज जिन सीटों पर वोटिंग हो रही है, उनमें जम्मू-कश्मीर की बडगाम और नागरोटा, राजस्थान की अंता, झारखंड की घाटसिला, तेलंगाना की जुबली हिल्स, पंजाब की तरनतारन, मिजोरम की डम्पा और ओडिशा की नुआपाडा सीट शामिल है। जम्मू-कश्मीर में 2 विधानसभा सीटें बडगाम और नगरोटा अक्टूबर 2024 से खाली हैं। सीएम उमर अब्दुल्ला 2 सीटों से चुनाव जीते थे। इसके बाद उन्होंने 21 अक्टूबर, 2024 को गांदरबल सीट को अपने पास रखा और बडगाम सीट छोड़ दी थी। इसलिए इस सीट पर चुनाव हो रहा है। जबकि, नगरोटा सीट भाजपा विधायक देवेंद्र सिंह राणा के निधन के बाद 31 अक्टूबर, 2024 को खाली हो गई थी।

पीडीए का एक भी वोट नहीं कटने देंगे : अखिलेश यादव

» एसआईआर में आधार की मान्यता के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर भाजपा व चुनाव आयोग पर जमकर हमला बोला है। सपा प्रमुख कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) में आधार की मान्यता के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची स्पष्ट नहीं है। हम पीडीए का वोट नहीं कटने देंगे।

अखिलेश यादव ने कि एसआईआर अभियान में पीडीए का एक भी वोट नहीं कटना चाहिए। इसके लिए हम संघर्ष करेंगे। जब 2027 में उत्तर प्रदेश से भाजपा सरकार हटेगी, तब प्रदेश में संविधान के अनुसार सरकार काम होगा। अखिलेश ने कहा कि अयोध्या में जो वोटर लिस्ट दी गई है, वो पड़ने में नहीं आ रही है। सरकार बताए कि कितने पीडीए के ईआरओ लगाए गए हैं। भाजपा अभी से वोट की बेईमानी करने पर तुल गई है। निर्वाचन आयोग की पूरी तैयारी नहीं है। एटीएस के आतंकी पकड़ने पर कहा कि सरकार का सूचना तंत्र काफी कमजोर है। साथ ही इस कार्रवाई पर कटाक्ष करते हुए अपराध पर नेटफ्लिक्स का सीरियल देखने की सलाह भी दी। बोले-उसमें इस तरह की खूब साजिशें देखने को मिलती हैं।

अपना वोट डालिए, शक्ति पहचानिए

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए आज वोटिंग हो रही हैं. जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया और इंडिया गठबंधन के सहयोगी अखिलेश यादव ने प्रतिक्रि या दी है। उन्होंने बिहार के सभी मतदाताओं से अपने-अफने बूथ पर जाकर वोचिंग की अपील की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर बिहार के मतदाताओं से वोट डालने की अपील की और कहा कि ये ही आपकी सबसे बड़ी शक्ति है, इससे वोटर अपने वर्तमान और भविष्य को सुनहरा कर सकते हैं। सपा अध्यक्ष ने एक्स पर लिखा- बिहार के हर एक मतदाता से अपील है कि वो अपने सुरक्षित वर्तमान और सुनहरे भविष्य के निर्माण के लिए अपना वोट डालने ज़रूर जाए। लोकतंत्र में वोट की शक्ति सर्वोपरि होती है। इसलिए अपना वोट डालिए और अपनी शक्ति पहचानिए।

दिल्ली ब्लास्ट की हर पहलू से हो जांच

सपा अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि दिल्ली ब्लास्ट एक बेहद दुखद और गंभीर घटना है। इसकी हर पहलू से जांच की जाए। इस ब्लास्ट से देश की राजधानी में जो भय व्याप्त हुआ है, उससे जनता को उबारने के लिए तुरंत सुरक्षा प्रबंध किए जाएं। मृतकों के प्रति गहरी संवेदना जताते हुए कहा कि सभी घायलों का अच्छे से अच्छा इलाज सुनिश्चित किया जाए।

संविधान निर्माताओं ने सोच-समझकर

राष्ट्रीय गीत को वैकल्पिक बनाया राष्ट्रीय गीत वंदेमातरम पर हाल के विवादित बयानों पर कहा कि संविधान निर्माताओं ने सोच-समझकर राष्ट्रीय गीत को वैकल्पिक बनाया। राष्ट्र गान की तरह अनिवार्य नहीं किया।

नोटबंदी ने अर्थव्यवस्था को किया चौपट

अखिलेश ने कहा कि कुछ लोग बच्चों को गोद में उठाकर दिखावा करते हैं। समाजवादी अपने संसाधनों पर खजांची की प?ाई का खर्च उठा रहे हैं। जब तक भाजपा की सरकार है, खजांची का हम जन्मदिन इसी तरह हर वर्ष मनाते रहेंगे। नोटबंदी से व्यापार डूब गया। कोविड काल की पाबंदियों और जीएसटी ने अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है। अखिलेश यादव ने फिर दोहराया कि प्रदेश में जबरदस्त खाद संकट है। अखिलेश से मोबाइल मांगा तो उन्होंने कहा मोबाइल नहीं देना चाहिए। कई देश बच्चों के लिए मोबाइल पर बैन लगा रहे हैं।

सिरप घोटाले में भाजपा के नेता शामिल

खांसी का सिरप का नशे में इस्तेमाल हो रहा है। इस घोटाले में भाजपा के नेता भी शामिल हैं। दस साल में स्मार्ट सिटी के नाम पर शहरों को भाजपा ने बर्बाद कर दिया है।

गिरिराज के बयान से भड़कीं महबूबा मुफ्ती

» पूछा- गांधी, इंदिरा और राजीव के हत्यारे किस समुदाय से थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रे टिक पार्टी (जेकेपीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने फरीदाबाद में 360 किलोग्राम विस्फोटक बरामद होने के बाद दो आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह की विवादास्पद टिप्पणी पर पलटवार किया।

गिरिराज सिंह द्वारा यह कहने के बाद कि आरोपी हमेशा एक ही समुदाय से होते हैं, मुफ्ती ने उनसे महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के हत्यारों के बारे में पूछा, यह संकेत देते हुए कि वे गैर-मुस्लिम थे। जम्मू में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, महबूबा मुफ्ती ने कहा कि गांधी जी को किसने मारा? इंदिरा जी को किसने मारा? राजीव गांधी जी को किसने मारा? गिरिराज जी के जवाब के बाद हम बात करेंगे। इससे पहले आज, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मुस्लिम समुदाय के प्रति विवादास्पद टिप्पणी करते हुए पूछा कि आरोपी एक ही समुदाय से क्यों हैं। एएनआई से बात करते हुए, सिंह ने इस मामले की तुलना 1993 के मुंबई बम धमाकों से की और विस्फोटक ज़ब्त करने के लिए केंद्र सरकार की सराहना की।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार और राज्य सरकार ने इसे पकड़ा। हालाँकि, यह मुंबई धमाकों से भी ज्यादा ख़तरनाक था। बाबा बागेश्वर की यात्रा चल रही थी और लोग बड़ी संख्या में उनके साथ थे। अगर उन पर हमला होता, तो क्या होता? लेकिन, जब भी वे पकड़े जाते हैं, तो हमेशा एक ही समुदाय का व्यक्ति होता है... एक मुस्लिम डॉक्टर को गिरफ़्तार किया गया है। सिंह ने विपक्षी नेताओं पर ऐसी घटनाओं पर चुप रहने का भी आरोप लगाया।

भाजपा किसानों को लूट रही है: अभय चौटाला

» किसान की आय के बजाय लागत दोगुना कर दी : हुड्डा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला ने बयान जारी करके कहा कि भाजपा सरकार के संरक्षण में हर साल धान का घोटाला किया जाता है। अधिकारी से लेकर नेता तक सभी मिलकर हजारों करोड़ रुपए अपनी जेबों में डाल लेते हैं। अभय ने आरोप लगाए कि कितनी विडंबना है कि यही भाजपा की सरकार धान को उगाने वाला अन्नदाता को उसकी धान की फसल को एमएसपी पर न खरीद कर लूट रही है।

सरकार डीएपी खाद किसानों के लिए उपलब्ध नहीं करती लेकिन वही खाद कालाबाजारी करने वालों के पास ब्लैक में जितना मर्जी ले लो। प्रदेश की सरकार ने किसानों की दयनीय हालात बना दी है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा

कि प्रदेश में किसानों की आय 2022 तक दोगुना करने का दावा किया जा रहा था। किसान की आय के बजाय लागत दोगुना कर दी गई है। किसानों को एमएसपी तक नहीं मिल पा रही है। गन्ने के रेट मात्र 15 रुपये बढ़ाए गए हैं। किसान को एक कट्टा खाद का लेने के लिए अपराधी की तरह मुहर लगाई जाती है। उन्होंने प्रदेश में धान खरीद में एक हजार करोड़ का घोटाला करने के आरोप लगाए और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है।। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि भाजपा के मंत्री ने जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक में भी जाना बंद कर दिया है। मुख्यमंत्री खुद को बिहार का बता रहे हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला को जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश में कुछ भी हो जाने पर उनका यानी हुड्डा का नाम लेते हैं। अगर अभय सिंह चौटाला की भैंस दूध न दें तो वे तब भी उनका ही नाम लेंगे। इनेलो प्रदेश में एक या दो सीट तक सीमित है और आने वाले समय में यह भी नजर नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि पूर्व मंत्री संपत सिंह के आने और जाने से कांग्रेस को कोई फर्क नहीं पड़ा। हुड्डा ने कहा कि पानीपत में 11 साल में कोई विकास नहीं कराया गया। पानीपत समेत प्रदेश में विकास के नाम पर घोटाला किया है।

विधानसभा फांसी घर विवाद पहुंचा हाईकोर्ट

» पूर्व सीएम केजरीवाल ने समन को दी चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली । दिल्ली विधानसभा के विवादास्पद 'फांसी घर' को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर विधानसभा की प्रिविलेज कमेटी की ओर से जारी समन को चुनौती दी है।

कोर्ट में यह मामला न्यायमूर्ति सचिन दत्ता के समक्ष 11 नवंबर को सुनवाई के लिए निर्धारित है। विवाद दिल्ली विधानसभा परिसर में एक संरचना को लेकर है, जिसे पूर्व में आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने ब्रिटिश कालीन 'फांसी घर' बताकर अगस्त 2022 में केजरीवाल और अन्य आप नेताओं की उपस्थिति में उद्घाटित किया था। हालांकि, वर्तमान भाजपा सरकार ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि यह मूलरूप से एक सेवा सीढ़ी या ''टिफिन रूम'' था। केजरीवाल, सिसोदिया व अन्य ने इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश किया तथा सार्वजनिक धन का दुरुपयोग किया। सितंबर में विधानसभा सत्र के दौरान स्पीकर विजेंद्र गुप्ता ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल सरकार ने इस स्थान को जेल जैसा दिखाने के लिए करीब 1 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें स्वतंत्रता सेनानियों के भित्तिचित्र, प्रतीकात्मक लोहे की सलाखें और दो फंदे तक लगाए गए। प्रिविलेज कमेटी, जो भाजपा विधायक प्रद्युम्न सिंह राजपूत की अध्यक्षता में है, 13 नवंबर को इस संरचना की प्रामाणिकता की जांच के लिए बैठक करने वाली है।

छह नवंबर को जारी हुआ था समन

इससे पहले, 6 नवंबर को दिल्ली विधानसभा ने अरविंद केजरीवाल, सिसोदिया, पूर्व स्पीकर राम निवास गोयल और पूर्व उप स्पीकर राखी बिड़ला को 13 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के लिए समन जारी किया था।

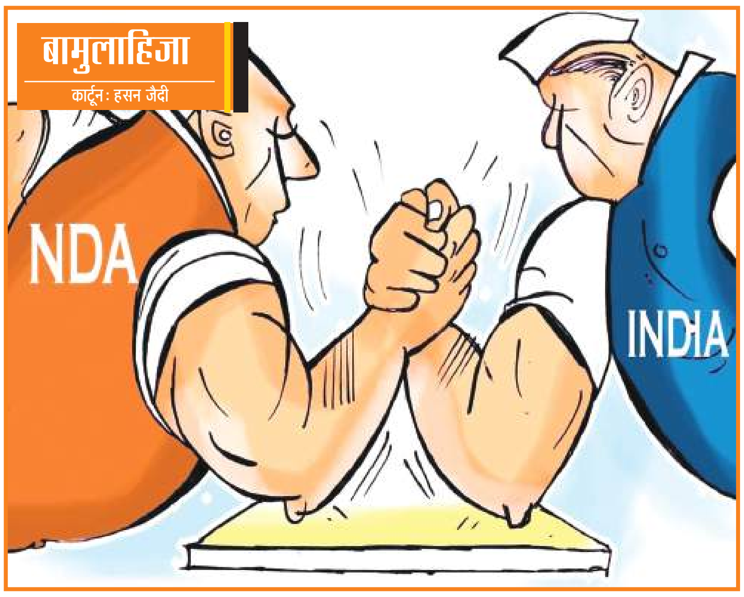

यूपी में कल से आप का जनता से संवाद

» सरयू से संगम तक पदयात्रा में सांसद संजय सिंह भरेंगे हुंकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दल्ली। आम आदमी पार्टी ने 12 नवंबर से 24 नवंबर तक सरयू से संगम तक 180 किलोमीटर लंबी ऐतिहासिक पदयात्रा का ऐलान किया है। इसका नाम है- रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो। इस पदयात्रा का नेतृत्व आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह करेंगे।

पार्टी का कहना है- संजय सिंह संसद से लेकर सड़क तक, हर मंच पर उत्तर प्रदेश के लोगों की आवाज बनकर खड़े हैं। इस यात्रा में युवाओं, किसानों, शिक्षकों, समाजसेवियों और हर वर्ग के लोग शामिल होंगे।

आप ने कहा है यह पदयात्रा सिर्फ पैरों की थकान से नहीं, बल्कि जनता के दर्द, आक्रोश और उम्मीदों से चलेगी। बेरोजगारी की मार झेल रहे युवा, फसल का दाम न मिलने से परेशान किसान, कुटीर और लघु उद्योग से जुड़े लोग, शिक्षक, आशा बहुएं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता- हर कोई आज सरकार से जवाब चाहता है। लेकिन जब सत्ता चुप हो जाए, तब जनता की आवाज सड़क पर उतरती है।

इस पदयात्रा का थीम सॉन्ग मैं देश बचाने निकला हूं पहले ही चर्चाओं में है। मशहूर गायक अल्तमश फरीदी की आवाज और बिलाल भाई की लिखी पंक्तियों ने इसे भावनात्मक पहचान दी है। यह गीत सिर्फ संगीत नहीं, बल्कि एक संदेश है, जो युवा, मजदूर और किसान के दिल की बात कहता है। संजय सिंह ने साफ शब्दों में कहा कि यह यात्रा राजनीतिक रस्म नहीं, जनता के अधिकारों की लड़ाई है। बीजेपी सरकार ने रोजगार के नाम पर बड़े-बड़े वादे किए लेकिन आज उत्तर प्रदेश बेरोजगारों की सबसे बड़ी राजधानी बन गया है। उन्होंने कहा- सरकारी भर्तियां रुकी हैं, परीक्षाएं लटकी हैं। पेपर लीक ने लाखों युवाओं का भविष्य छीन लिया है।

कांग्रेस का राज्यों पर फोकस, भाजपा परेशान

हिमाचल प्रदेश व मप्र में संगठनात्मक हलचल तेज

- » अध्यक्ष घोषित करने से पहले राहुल गांधी, खरगे ने समझे समीकरण
- » नेता प्रतिपक्ष ने मप्र में किया दौरा, दिए टिप्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वैसे तो बिहार चुनाव के बाद अब अगले वर्ष ही चुनाव हैं। पर बिहार में वोट चोरी के खिलाफ पैदल यात्रा में शामिल आम जन की भीड़ से कांग्रेस गदगद है। उसका दाव है विधान सभा चुनाव में महागठबंधन में इसका लाभ होगा। कांग्रेस नेता व लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष भी उत्साह से लबरेज हैं। इसी के मद्देनजर वह हिमाचल प्रदेश व मध्यप्रदेश में बूथ लेबल पर पार्टी के कार्यकर्ताओं को टिप्स देने के लिए दोनों राज्यों को मथ रहे हैं। हालांकि इन दोनों राज्यों में अभी चुनावों में काफी समय हैं। पर ऐसा लगता है कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वर्तमान भाजपा सरकार को घेरने का पूरा मन बना लिया है।

राहुल गांधी के तेवरों से भाजपा परेशान हो गई है। भी हिमाचल कांग्रेस में लंबे समय से अटकी संगठनात्मक नियुक्तियों को लेकर अब दिल्ली दरबार में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस के नेशनल अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ करीब सवा घंटे तक चली बैठक में प्रदेश के राजनीतिक समीकरणों पर मंथन किया। बैठक खरगे के आवास पर सुबह साढ़े आठ बजे से शुरू हुई, जो करीब दस बजे तक चली। इस दौरान हिमाचल प्रभारी रजनी पाटिल और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल भी मौजूद रहे।

कांग्रेस के लिए हिमाचल बना अहम केंद्र

हिमाचल में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद संगठनात्मक कमजोरी पार्टी के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। नए अध्यक्ष के चयन को लेकर इस बार नेतृत्व बेहद सतर्क है। प्रदेश में क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने के साथ-साथ ऐसा चेहरा तलाशा जा रहा है जो मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और पार्टी संगठन के बीच समन्वय बनाकर पार्टी को मजबूत करे।

कांग्रेस हाईकमान ने हिमाचल के छह प्रमुख नेताओं से की चर्चा

राठौर, रोहित ठाकुर, आशीष बुटेल, विनय कुमार, सुरेश कुमार और विनोद सुल्तानपुरी से अलग-अलग मुलाकात कर फीडबैक लिया। नेताओं से पूछा गया कि यदि उन्हें प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी जाए, तो उनका विजन क्या होगा, संगठन को मजबूत करने के लिए कौन से कदम उठाएंगे और विपक्ष से कैसे निपटेंगे। बैठक में प्रदेश के जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए यह

आकलन किया गया कि कौन सा चेहरा संगठन में संतुलन ला सकता है। राहुल गांधी और खरगे ने भाजपा की नियुक्ति नीति और प्रदेश में बदलते राजनीतिक माहौल को लेकर भी नेताओं से राय जानी। हाईकमान ने यह भी समझा कि नेताओं ने अब तक संगठन में कौन-कौन सी जिम्मेदारियां संभाली हैं और अगर किसी अन्य को अध्यक्ष बनाया जाता है तो उनका सहयोग कैसा रहेगा। बैठक के दौरान हाईकमान ने यह भी स्पष्ट किया गया कि नया अध्यक्ष वही बनेगा जो सभी गुटों को साथ लेकर चल सके और संगठन में नई ऊर्जा ला सके। सूत्र बताते हैं कि हिमाचल कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा अगले सप्ताह के भीतर हो सकती है। पार्टी की राज्य, जिला और ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणी बीते एक साल से भंग है। इससे कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ा हुआ था। अब हाईकमान चाहता है कि पंचायत और निकाय चुनावों से पहले संगठन को पूरी तरह सक्रिय कर दिया जाए।

2028 का लक्ष्य हर जिले में मजबूती : राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस कई जगह बेहद मामूली अंतर से चुनाव हारी है और इसे बदलने के लिए संगठन को एकजुट होकर हर घर तक पहुंचना होगा। उन्होंने कहा निराश होने की जरूरत नहीं है, मेहनत की जरूरत है। खुद के लिए नहीं, संगठन के लिए काम कीजिए। 2028 में कांग्रेस सरकार बनाना हमारा साझा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उसी सोच को आगे ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है। जयवर्धन सिंह ने बताया कि राहुल ने उनके परिवार के साथ समय बिताया और संविधान की प्रति पर भी चर्चा की।

मध्य प्रदेश में जिला अध्यक्षों को दिया चुनावी मंत्र

कांग्रेस नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी शनिवार से दो दिन के मध्यप्रदेश प्रवास पर रहे। उन्होंने पचमढ़ी में कांग्रेस जिलाध्यक्षों और वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ संगठन की मजबूती, सामाजिक न्याय और आर्थिक नीतियों पर चर्चा की। बैठक में राहुल गांधी कुछ चुनिंदा नेताओं से अलग-अलग भी बातचीत की। आपको बता दें यह बैठक 2028 के विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति तय करने में अहम मानी जा रही है। राहुल गांधी के आगमन को लेकर पचमढ़ी में सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए। करीब 150 पुलिसकर्मी और सीआरपीएफ के जवान तैनात रहें। पचमढ़ी पहुंचने के बाद राहुल गांधी गांधी चौक पर

महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किय और फिर प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए। जिलाध्यक्षों और उनके परिवारों के साथ डिनर किया। बैठक में 'भारतीय अर्थव्यवस्था और राजनीति की दिशा' विषय पर एक विशेष सत्र हुआ। इसमें ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने देश की आर्थिक चुनौतियों पर बात की और सुझाव दिया कि पार्टी को जनता के आर्थिक मुद्दों को प्राथमिकता देनी चाहिए। राहुल गांधी का यह दौरा केवल बैठक तक सीमित नहीं रहेगा। वे पार्टी संगठन को मजबूत करने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर नई रणनीति बनाने पर जोर देंगे। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, यह बैठक पार्टी की नई कार्ययोजना की दिशा तय करेगी।

राजपूत वर्ग से हैं पार्टी-संगठन में अधिक नियुक्तियां

प्रदेश में कांग्रेस संगठन और सरकार में अधिक नियुक्तियां राजपूत वर्ग से है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, युवा कांग्रेस अध्यक्ष छत्तर सिंह ठाकुर, एनएसयूआई अध्यक्ष अभिनंदन ठाकुर राजपूत वर्ग से हैं। वर्तमान प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह भी इसी वर्ग से है। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ब्राह्मण वर्ग से हैं।

जिलाध्यक्षों को पढ़ाया संघर्ष और एकजुटता का पाठ : पटवारी

भोपाल से दिल्ली रवाना होने से पहले राहुल गांधी ने पचमढ़ी में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत जिलाध्यक्षों के साथ विशेष सत्र किया। बैठक समाप्त होने के बाद राहुल गांधी जब भोपाल होते हुए दिल्ली के लिए रवाना हुए, तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि राहुल गांधी संगठन को मजबूती देने का स्पष्ट रोडमैप देकर लौटे हैं। उन्होंने हर जिला अध्यक्ष को जमीन पर उतरकर जनता के साथ जुड़ने का मंत्र दिया है। सत्र की खास बात यह रही कि राहुल गांधी ने जिलाध्यक्षों के साथ मार्शल आर्ट की पोशाक पहनकर फिटनेस और फोकस पर आधारित 30 मिनट का अभ्यास कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि राजनीति भी मार्शल आर्ट की तरह है। गिरोगे, लेकिन

फिर उठकर लड़ना ही जीत की कुंजी है। भाजपा की विचारधारा से मुकाबला मोहब्बत और धैर्य से करना है। राहुल ने समझाया कि नकारात्मकता का जवाब सकारात्मकता से देना है और मोहब्बत की दुकान का संदेश संगठन के हर स्तर पर पहुंचना चाहिए। रविवार सुबह राहुल गांधी पचमढ़ी के गांधी चौक पहुंचे, जहां उन्होंने अपने पिता राजीव गांधी द्वारा 1989 में अनावरण की गई गांधी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। स्थानीय कार्यकर्ताओं से संक्षिप्त चर्चा के बाद वह हेलीपैड के लिए रवाना हुए। जमीन से जुड़े संगठन का ब्लूप्रिंट तैयार हुआ भोपाल एयरपोर्ट पर विदाई देते हुए जीतू पटवारी ने कहा कि राहुल जी ने संगठन की धड़कन को समझते हुए जिलाध्यक्षों को स्पष्ट दिशा दी है। उनका मंत्र है समन्वय, संघर्ष और जनता के साथ सीधा संवाद। यह यात्रा कांग्रेस को नई ऊर्जा देगी। पचमढ़ी में जिलाध्यक्षों के साथ विशेष सत्र के बाद राहुल गांधी दिल्ली रवाना हुए, जहां उन्होंने संगठन को जमीन से मजबूत करने, एकजुट रहने और संघर्ष के लिए तैयार रहने का स्पष्ट संदेश दिया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सड़क दुर्घटना की महामारी पर कब लगेगी लगाम

> "फुटपाथों पर दुकानदारों, वाहनों और अतिक्रमणों के कारण लोगों को सड़क पर चलना पड़ता है, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। यदि प्रशासन, नीति-निर्माता और नागरिक मिलकर प्राथमिकता दें, तो पैदल चलना सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया जा सकता है।

पिछले एक महीने में सड़क दुर्घटनाओं की खबरें आई। इन हादसों में पचासों लोगों की असमय जान चली गई। सबकी जान जाने का एक कारण तेज रफ्तार। आंकड़ों के मुताबिक सड़क हादसों में मौत की बढ़ती संख्या महामारी की तरह हो गई है। अब इस पर गंभीर चिंतन की आवश्यकता है। देश की सड़कों अब सिर्फ आवाजाही का माध्यम नहीं रहीं, बल्कि वे देश की विश्वास गति का प्रतीक भी बन चुकी हैं। लेकिन इसी गति ने जीवन की रफ्तार भी छीन ली है। हर दिन सैकड़ों लोग सड़क हादसों में अपनी जान गंवा रहे हैं। वर्ष 2024 में भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार ने 43 लाख वाहनों की रिकॉर्ड बिक्री थी यानी हर दिन 12 हजार से अधिक नई गाड़ियाँ सड़कों पर उतर रही हैं। दोपहिया वाहनों की गिनती तो करोड़ों में है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवॉयर्नमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) की रिपोर्ट के मुताबिक देश में वाहनों की संख्या वर्ष 2023 में 22.6 करोड़ थी, जिसे वर्ष 2050 तक 50 करोड़ के पार पहुंचने की संभावना है। लेकिन सड़कों की क्षमता और लोगों की यातायात समझ इस रफ्तार के साथ तालमेल नहीं बैठा पा रही।

इसी का परिणाम है कि देश में विश्व के कुल वाहनों का केवल 1 प्रतिशत है लेकिन सड़क हादसों से होने वाली विश्व की 11 प्रतिशत मौतें हमारे देश में ही होती हैं। सड़क परिवहन मंत्रालय की 'सड़क हादसे 2023' रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2023 में देश में साल भर में 4.8 लाख से ज्यादा सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.72 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हुई। हर दिन औसतन 474 लोग सड़क हादसों में जान गंवा रहे हैं। राजस्थान जैसे राज्यों में स्थिति और चिंताजनक है। जयपुर के हरमाडा में बेकाबू डंपर ने 14 जिंदगियों को कुचल दिया। इससे पहले फलौदी में भीषण सड़क हादसे में 15 यात्रियों की मौत हो गई। राजस्थान उच्च न्यायालय ने सड़क हादसों पर चिंता व्यक्त करते हुए केंद्र व राज्य सरकार से त्वरित कदम उठाते हुए हाइवे पर खुली दुकानों को बंद करने, अतिक्रमण हटाने, अवैध रोड कट बंद करने और हाइवे पेट्रोलिंग शुरू करने के लिए आदेश दिए हैं। भयावह सड़क हादसों के पीछे सबसे बड़ा कारण मानवीय भूल है। तेज रफ्तार, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के गाड़ी चलाना, शराब पीकर ड्राइविंग करना और ट्रैफिक नियमों को नजरअंदाज करना। सड़कें सुधर रही हैं, वाहन अत्याधुनिक हो रहे हैं, लेकिन इंसानी व्यवहार में सुधार की गति बेहद धीमी है। आज तो हालात यह हो गए हैं कि पैदल यात्रियों के लिए भी चलने के लिए सड़कें सुरक्षित नहीं हैं और बेतरतीब वाहनों की रेलमपेल से पैदल यात्रियों के समक्ष काफी परेशानी खड़ी हो रही है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

'साड्डे पुत्तर' जोहरान ने झंडे गाड़े

ज्योति मल्होत्रा

भारत ने न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी की जीत को 'साड्डे पुत्तर ने झंडे गाड़े' की तरह अपनाया है, मीडिया का जो प्यार अक्सर शाहरुख खान जैसे दिग्गजों के लिए आरक्षित रहता है, वह उसने इस विजय पर उड़ेल दिया। यहां मामला सिर्फ उनकी बेबाक मुस्कान या अंगुलियों से बिरयानी खाते हुए वायरल हुई वीडियो का या बेधड़क होकर वामपंथी राजनीति की हिमायत करने (मसलन, फ़लस्तीन मुद्दे पर) भर का नहीं है। पिछले 72 घंटों में, गूगल पर 'लोकतांत्रिक समाजवाद' के बारे में सर्च करने वालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। जाहिर है, यहां यह बात भी मददगार है कि जोहरान के माता-पिता भारतीय मूल के हैं – अमृतसर की लड़की मीरा नायर, जिन्होंने शिमला के तारा हॉल स्कूल में पढ़ाई की है; उनके पिता, महमूद ममदानी, एक गुजराती खोजा (शिया) मुसलमान हैं- पूर्वी अफ्रीका के तंगानयिका में जन्मे प्रवासी माता-पिता की संतान हैं और युगांडा के कंपाला में पले-बढ़े। नायर-ममदानी परिवार में अंग्रेजी के अलावा पंजाबी, हिंदी/उर्दू, गुजराती और स्वाहिली भाषाएं बोली जाती हैं। गत हफ्ते की शुरुआत में न्यूयॉर्क में मंच पर उनकी जीत का जश्न मनाते वक्त ममदानी परिवार की विविधता को देखते हुए- जहां जोहरान के साथ उनके माता-पिता के अलावा पत्नी रमा दुवैजी (सीरीयाई मूल की इस लड़की का परिचय जोहरान से एक डेटिंग ऐप पर हुआ था) और निकाह एक साल पहले दुबई में हुआ – यदि आपके मन में विचार आए कि कहीं वे युनाइटेड कलर ऑफ बेनेटॉन के विज्ञापन के विषयवस्तु तो नहीं, तो इसके लिए आपको माफ किया जा सकता है! एक पल के लिए, ट्रम्प के पागलपन के बीच, अमेरिका ने खुद को उबार लिया। 'मुझे अपने पस्त, अपने गरीब...आजाद सांस लेने के लिए बेकरार अपने लोग सौंप दो'....स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी की आधारशिला पर अंकित 1883 की एम्मा लाजरस कविता की पहली पंक्तियां यह कहती हैं। एक बहु-रंगी परिवार ने अमेरिका की द्विध्रुवीय श्वेत-अश्वेत राजनीति पर पार पा लिया और उसे अपना बना लिया (यहां यह मददगार रहा कि न्यूयॉर्क की 40 प्रतिशत आबादी आप्रवासियों की है)। इसलिए यह दिलचस्प रहा कि बाकी देश की तरह दो हिस्सों में बंटे भारतीय मीडिया ने गत सप्ताह जोहरान ममदानी की जीत को अपनी विजय बना लिया। यह सिर्फ 'धूम मचा ले...' गाने को लेकर नहीं, हालांकि इससे भी मदद मिली। यह इस तथ्य को लेकर है कि रोमांचित करने वाले कुछ घंटों के लिए

सही, भारत के आधे हिस्से ने जोहरान की जीत में किसी अपने का अक्स देखा। यह वही आधा हिस्सा है जो जवाहरलाल नेहरू के कालजयी भाषण 'नियति से मिलन' की भावना के साथ पला-बढ़ा है, जिसे जोहरान ने अपने भाषण की शुरुआत में उद्धृत किया है। उसका अब भी मानना है कि न्यूयॉर्क की सोच- ऊर्जावान एवं जीवंत, अव्यवस्थित एवं प्रामाणिक – अभी भी भारत की सोच हो सकती है, थोड़ा-सा यह और थोड़ा सा वह से बनी, अप्रवासियों का स्वागत करने वाली, जब यह अपने घर में सभी धर्मों, जातियों और पंथों के लोगों को समाहित कर लेती है। जोहरान की तीखी आलोचना करने वालों का है क्योंकि वे गुजरात और उसके बाद प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति की आलोचना करते हैं, उनका मानना है कि जोहरान हिंदुओं के खिलाफ 'कट्टरता और पक्षपात' को बढ़ावा दे रहे हैं और ये लोग इस्राइल एवं गाजा पर उनके विचारों से पूरी तरह असहमत हैं – ममदानी का मानना है कि इस्राइल गाजा में नरसंहार कर रहा है, जबकि भारत ने पीएम मोदी के शासनकाल में इस्राइल के साथ संबंधों को खूब बढ़ावा दिया है। (विडंबना यह है, और शायद इसीलिए इसे विडंबना कहा जाता है कि जिस दिन न्यूयॉर्क ने ममदानी के लिए मतदान किया, उस रोज इस्राइली विदेश मंत्री गिदिओन सा आर भारत में थे)। जिस दिन न्यूयॉर्क में मतदान हुआ, उस दिन भाजपा की राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेखा शर्मा ने एक्स पर दक्षिणपंथी भावना व्यक्त करते हुए कहा : 'इस मामले में मैं श्री ट्रम्प के साथ हूं। भारतीय मूल के लोगो, वोट देते वक्त दो बार सोचिएगा। ममदानी की मां का भारतीय मूल की होना, उसे भारत का शुभचिंतक नहीं बनाता'। यह जानना दिलचस्प होगा कि न्यूयॉर्क में बसे प्रवासी भारतीयों में मोदी समर्थकों ने वोट किसको दिया – वे सब जो प्रधानमंत्री के सार्वजनिक कार्यक्रमों में बिन बुलाए पहुंच जाते हैं, क्या वे भी ममदानी के पक्ष में थे या उनके खिलाफ ममदानी के पक्ष में वोट दिया, तो इससे मोदी सरकार की प्रवासी नीति पर क्या असर पड़ेगा, जिसके साथ वह दशकों से इतनी गहराई से जुड़ी हुई है? लंबे अर्से बाद, पहली बार, भारतीय मूल का एक अमेरिकी नागरिक शक्तिशाली बनकर अपने देश के सामाजिक-राजनीतिक विभाजन का प्रतिनिधित्व इतने स्पष्ट रूप से करने जा रहा है।

समय पर न्याय मिलना ही बदलाव की तार्किकता

मुकुल व्यास

> सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया है कि दीवानी मुकदमों में जिन लोगों को डिक्री मिल गई, उसे लागू करवाने के लिए निष्पादन याचिकाओं पर एग्जीक्यूशन हुक्म नहीं मिल पाते। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राज्यों के हाईकोर्ट एक प्रक्रिया विकसित करें और लंबित याचिकाओं के प्रभावी एवं शीघ्र निपटारे के लिए जिला न्यायपालिका का मार्गदर्शन करें। निष्पादन याचिकाओं को छह महीनों में निपटा देना चाहिए। उन्होंने पाया कि निष्पादन याचिकाएं तो 3-4 वर्षों तक लंबित रहती हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर न्याय प्रक्रिया त्वरित बनानी है तो इस तौर-तरीके को बदलना पड़ेगा।

पिछले वर्ष संसद में नए दंड विधान के विधेयक के पारित होने पर कहा गया कि 150 वर्षों से चली आ रही विसंगतिपूर्ण न्यायिक प्रक्रिया का अंत हो गया है। दीवानी मामलों में भी मुकदमों की लंबी अवधि और अभियुक्त की अनिश्चित स्थिति आम बात थी, वहीं फौजदारी मामलों में न्याय प्राप्ति में 30-32 वर्ष तक का समय लग जाता था, जिससे आरोपित व्यक्ति अभियुक्त नहीं माना जाता था। गंभीर आरोप लगने पर भी जब केस की सुनवाई में आरोपित व्यक्ति जमानत पर रिहा हो जाता था, तो उसे लगता था कि वह लगभग फारिग हो गया। राजनीति में देश के लोकतंत्र के ढांचे पर दागी नेताओं का वर्चस्व बढ़ता जा रहा था। इन आरोपित व्यक्तियों की संख्या चुनावों के बाद बढ़ती जाती थी, और गंभीर आरोपों में भी वे पुनः चुनाव लड़कर जीत जाते थे।

ऐसे लोग, जिनकी पृष्ठभूमि संदेहास्पद हो, देश के कल्याण या विकास में योगदान कैसे दे सकते हैं? बावजूद इसके, ये नेता चुनावों में नवनिर्माण के बजाय यथास्थितिवाद को कायम रखने में लगे रहे, जिससे देश क्रांति के नारों के बीच भी स्थिरता का शिकार हो गया। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हाल ही में कहा कि नई दंड संहिता लागू कर हमने न्यायिक व्यवस्था में क्रांति ला दी है, जिससे मुकदमों के निर्णय तिथिबद्ध हो गए हैं। जनता को वर्षों तक न्याय की प्रतीक्षा नहीं करनी पड़ेगी। अब प्रत्येक व्यक्ति अपने साथ हुए अन्याय का प्रतिकार कर अपराधी को दंडित करवा सकता है और अपनी हानि की क्षतिपूर्ति का हक प्राप्त कर सकता है। नई दंड व्यवस्था के लागू होने से यह उम्मीद जगी है कि जनता को त्वरित न्याय मिलेगा। पिछले वर्ष के आकलन से पता चलता है कि त्वरित न्याय का सपना अभी भी अधूरा है। नई व्यवस्था के तहत गवाहों के मुकरने के रास्ते बंद किए गए और यदि ठोस प्रमाण न हो तो न्याय को लंबित न रखने का निर्देश भी दिया गया।

साथ ही, संदेह का लाभ अभियुक्त को देकर बरी करने का प्रावधान भी किया गया। हालांकि, वास्तविकता में न्यायपालिका का चेहरा अभी भी पूरी तरह से नहीं निखरा है। न्याय प्रक्रिया में देरी और लंबित रह जाने की प्रवृत्ति अभी भी कायम है। जहां तक फौजदारी मुकदमों का सवाल है, ये गंभीर अपराधों से जुड़े होते हैं, जैसे दुष्कर्म, हत्या, अपहरण, नाजायज दंगा और फसाद।

हालांकि, न्यायालय ने देखा है कि इन फौजदारी मुकदमों में भी अक्सर पुलिस की उदासीनता, वकीलों का रवैया और भगोड़ों की उपस्थिति के कारण देरी हो जाती है, जिससे मुकदमों का लंबित रहना सामान्य बात हो जाती है। जब मुकदमा दायर होने के बाद सुनवाई में विलंब होता है, तो आरोपितों को जमानत मिलना आसान हो जाता है। जमानत पाने के लिए आरोपी को कुछ आर्थिक गारंटी भी देनी पड़ती है, और सरकार ने यह प्रावधान किया है कि यदि आरोपी गरीब है तो सरकार खुद एक लाख रुपये तक की जमानत भर देगी। लेकिन, सबसे अधिक गड़बड़ी दीवानी मुकदमों में देखने को मिलती है, जहां मुकदमों की सुनवाई और त्वरित निपटान की प्रक्रिया अभी भी पूरी तरह से सशक्त नहीं हो पाई है। दरअसल, नई दंड संहिता लागू होने के बावजूद जनता अभी भी लंबित न्याय के इंतजार में है। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया है कि दीवानी मुकदमों में जिन लोगों को डिक्री मिल गई, उसे लागू करवाने के लिए निष्पादन याचिकाओं पर एग्जीक्यूशन हुक्म नहीं मिल पाते।

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि राज्यों के हाईकोर्ट एक प्रक्रिया विकसित करें और लंबित याचिकाओं के प्रभावी एवं शीघ्र निपटारे के लिए जिला न्यायपालिका का मार्गदर्शन करें। निष्पादन याचिकाओं को छह महीनों में निपटा देना चाहिए। उन्होंने पाया कि निष्पादन याचिकाएं तो 3-4 वर्षों तक लंबित रहती हैं। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि अगर न्याय प्रक्रिया त्वरित बनानी है तो इस तौर-तरीके को बदलना पड़ेगा। वस्तुस्थिति यह है कि केवल विधेयक पारित होने से या घोषणा कर देने से ही परिवर्तन नहीं हो जाता। परिवर्तन की नीयत भी होनी चाहिए और उसके प्रति ईमानदार प्रतिबद्धता भी रहनी चाहिए। निःसंदेह, जिसके साथ अन्याय हुआ है, जो सही निर्णय प्राप्त करने का अधिकारी है, उसे त्वरित न्याय मिलना चाहिए। यदि आम नागरिक का विश्वास कमजोर पड़ जाता है, तो वह अनुचित तरीके का सहारा लेता है, जो यह उस लोकतंत्र के लिए अच्छा संकेत नहीं है। न्यायपालिका एक मूल स्तम्भ है, जो कहती है कि हर अपराधी को दंड मिलेगा और हर शोषित को न्याय।

विटामिन डी
की कमी दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

विटामिन डी हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण पोषक तत्वों में से एक होते हैं। बहुत से लोग इसे सनशाइन विटामिन के नाम से भी जानते हैं, हमारे शरीर के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण पोषक तत्व है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने, कैल्शियम और फॉस्फोरस को अवशोषित करने और हमारे इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाता है। हालांकि आजकल की जीवनशैली में लोग सूरज की रोशनी में बहुत कम समय बिताते हैं, जिससे विटामिन डी की कमी एक आम समस्या बन गई है। विटामिन डी की कमी से थकान, हड्डियों में दर्द, मांसपेशियों में कमजोरी और डिप्रेशन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। यह एक गंभीर स्थिति है जिसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जहां सूरज की रोशनी इसका सबसे अच्छा प्राकृतिक स्रोत है, वहीं कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ भी हैं जिन्हें अपनी डाइट में शामिल करके इस कमी को पूरा किया जा सकता है। ये खाद्य पदार्थ न केवल आपके शरीर में विटामिन डी का स्तर बढ़ाते हैं, बल्कि आपको अन्य पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होते हैं।

दूध

दूध को कैल्शियम का सबसे अच्छा स्रोत माना जाता है, लेकिन आजकल कई दूध उत्पादों को विटामिन डी से फोर्टिफाई (मजबूत) किया जाता है। विटामिन डी और कैल्शियम दोनों ही हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं। फोर्टिफाइड दूध का नियमित सेवन आपके शरीर में विटामिन डी और कैल्शियम दोनों की कमी को दूर करता है, जिससे हड्डियां मजबूत रहती हैं। इसके अलावा दूध में मौजूद विटामिन ए हृदय, फेफड़े और किडनी सहित पूरे शरीर में स्थित कई अंगों की संरचना और प्रक्रियाओं को बेहतर करते हैं। दूध पोटेशियम का एक बेहतरीन स्रोत है जो हाई ब्लड प्रेशर को कम करने में मददगार माना जाता है और हार्ट हेल्थ को सपोर्ट करता है।

वीगन मिल्क

जो लोग डेयरी उत्पादों का सेवन नहीं करते, उनके लिए फोर्टिफाइड वीगन मिल्क एक बेहतरीन विकल्प है। आजकल सोया मिल्क, बादाम मिल्क, और ओट मिल्क जैसे कई वीगन मिल्क को विटामिन डी से फोर्टिफाइड किया जाता है। इन वीगन मिल्क का सेवन करके आप विटामिन डी की अपनी दैनिक जरूरत को पूरा कर सकते हैं।

मशरूम

मशरूम उन कुछ पौधों में से एक है जिनमें स्वाभाविक रूप से विटामिन डी पाया जाता है। जब मशरूम सूरज की रोशनी या यूवी किरणों के संपर्क में आते हैं, तो वे विटामिन डी2 का उत्पादन करते हैं। मशरूम का सेवन करने से शरीर को विटामिन डी की अच्छी मात्रा मिलती है। आप इसे अपनी सब्जी, सलाद या सूप में शामिल कर सकते हैं।

अंडा

अंडा खासकर उसकी जर्दी, विटामिन डी का एक बढ़िया प्राकृतिक स्रोत है। भले ही अंडे में विटामिन डी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो, लेकिन इसका नियमित सेवन आपकी दैनिक जरूरत को पूरा करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा, अंडे में प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व भी भरपूर मात्रा में होते हैं, जो इसे एक पौष्टिक भोजन बनाते हैं।

हंसना मना है

एक बुढ़िया का दामाद बहुत हीं काला था। सास- दामाद जी आप 1 महीना यहां रुको दूध, दही खाओ। मौज करो आराम से रहो यहां। दामाद - अरे वाह सासु मां आज बड़ा प्यार आ रहा है मुझ पे। सास- अरे प्यार व्यार कुछ नहीं कलमुहे? वो हमारी भैंस का बच्चा मर गया, कम से कम तुम्हें देख कर दूध तो देती रहेगी।

एक आदमी रात को गली के सामने खड़ा था। वहां के चौकीदार ने देखा तो कड़क कर पूछा कौन हो तुम यहां क्या कर रहे हो? आदमी बोला, मेरा नाम शेर सिंह है। चौकीदार- बाप का नाम क्या है? आदमी - शमशेर सिंह। चौकीदार- कहां रहते हो? आदमी- शेरों वाले मोहल्ले में। चौकीदार- तो इतनी रात में यहां खड़े क्या कर रहे हो, जाओ अपने घर जाओ? आदमी- कैसे जाऊं, आगे कुत्ते भौंक रहे हैं।

शादी के पहले साल, पति- जानू संभलकर उधर गड्ढा है। दूसरे साल- अरे यार देख कर उधर गड्ढा है। तीसरे साल- दिखता नहीं, उधर गड्ढा है। चौथे साल- अंधी है क्या, गड्ढा नहीं दिखता? पांचवे साल- अरे उधर कहां मरने जा रही है, गड्ढा है इधर है।

कहानी | मूर्ख साधु और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधु को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा।

वृषभ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। संतान के कार्यों पर नजर रखें। पूंजी निवेश बढ़ेगा।

कर्क

क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कन्या

मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें। पराक्रम में वृद्धि होगी।

तुला

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें।

वृश्चिक

वाणी पर नियंत्रण रखें। विवादों से दूर रहना चाहिए। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मकर

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कुम्भ

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। धनार्जन होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। भाइयों की मदद मिलेगी।

मीन

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

चौथे दिन यामी गौतम की 'हक' की कमाई में आयी भारी गिरावट

बॉलीवुड | मसाला

यामी गौतम की वुमन सेंट्रिक फिल्म 'हक' रिलीज से पहले काफी चर्चा में थी। लेकिन इसका कलेक्शन पहले दिन काफी कम था। वीकएंड पर कलेक्शन में इजाफा हुआ। लेकिन सोमवार को इसके कलेक्शन में काफी कमी दिखी।
'हक' ने चौथे दिन की कितनी कमाई सैकनिल्क के अनुसार फिल्म 'हक' ने चौथे दिन यानी सोमवार को 42 लाख रुपये का कलेक्शन किया। वीकएंड पर यह फिल्म 3 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करने में कामयाब रही। फिल्म ने शनिवार को 3.35 और रविवार को 3.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। वीकएंड के बाद कलेक्शन में गिरावट सामान्य है लेकिन 'हक' का कलेक्शन काफी कम हो चुका है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म 'हक' का बजट लगभग 25 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने अब तक 9.37 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। जैसे इस फिल्म का कलेक्शन कम हो रहा है, उससे लगता नहीं है कि यह अपना बजट वसूल कर पाएगी।

फिल्म 'हक' में यामी गौतम ने शाजिया बानो और इमरान हाशमी ने उनके पति वकील अब्बास खान का रोल निभाया है। फिल्म 'हक' के निर्देशक सुपर्ण एस वर्मा हैं। यह फिल्म 1978 के शाह बानो केस से इंस्पायर है। फिल्म 'हक' में महिलाओं के सम्मान पाने और बुनियादी मानवधिकारों के संघर्ष को दिखाया गया है। 'हक' के अलावा 'द ताज स्टोरी', साउथ फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' भी सिनेमाघरों में मौजूद है। कलेक्शन की बात करें तो 'द ताज स्टोरी' ने सिर्फ 26 लाख ही सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर बटोर। वहीं रश्मिका मंदाना की फिल्म गर्लफ्रेंड 1.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह देखें तो गर्लफ्रेंड फिल्म सोमवार को कलेक्शन की दौड़ में आगे रही।

गुस्ताख इश्क के गानों ने छेड़ा लोगों के दिल के तार

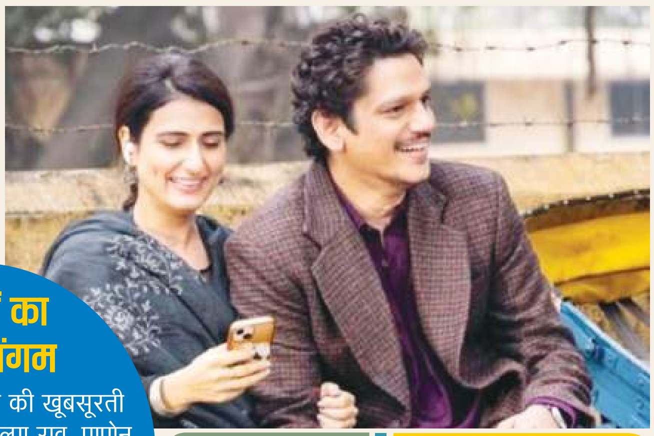

बॉलीवुड | गपशप

फैशन की दुनिया में अपनी छाप छोड़ने वाले मनीष मल्होत्रा ने अब सिनेमा की ओर एक नया कदम बढ़ाया है। अब उनके पहले प्रोडक्शन गुस्ताख इश्क न सिर्फ कहानी ही नहीं बल्कि म्यूजिक की वजह से सुर्खियों में भी है। इस फिल्म का एल्बम कुछ पहले जैसा आज-कल ट्रेंड में चल रहा है। इसके गाने लोगों के दिल के तार छेड़ रहे हैं। कुछ पहले जैसा की मेलोडी ने लगाया रोमांस का तड़का

गुस्ताख इश्क का म्यूजिक एल्बम पुराने जमाने की नर्मी और सुकून भरी धुनों की याद दिलाता है। उल जलूल इश्क, आप इस धूप और शहर तेरे जैसे गानों ने सोशल मीडिया से लेकर म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स तक जगह बना ली है। ये सभी गाने तो जबरदस्त ट्रेंड कर रहे हैं। फिल्म के गाने म्यूजिक डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने कंपोज किए हैं। वहीं इनका गुलजार ने लिखा है। इन दोनों दिग्गजों की जोड़ी ने एक बार फिर साबित किया है कि असली संगीत वही है जो सीधे दिल तक पहुंचता है।

सितारों का दिखा संगम

इस फिल्म के एल्बम की खूबसूरती को अरिजीत सिंह, शिल्पा राव, पापोन, जावेद अली, जजीम शर्मा और हिमानी कपूर ने बढ़ाया है। हर गाना अपने इमोशन को सादगी से बयां करता है और सुनने वालों के दिल के तारों को छूकर निकलता है।

फिल्म की स्टारकास्ट और रिलीज डेट

स्टेज5 प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म को विभु पुरी ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा और फातिमा सना शेख लीड रोल में नजर आ रही हैं। 'गुस्ताख इश्क' एक ऐसी प्रेम कहानी है जो जुनून, तड़प और अनकहे इमोशन्स को बयान करती है। फिल्म 28 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। म्यूजिक की सफलता के बाद अब दर्शक फिल्म की कहानी और स्क्रीन के रोमांस को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

बॉलीवुड | तैयारी

परीक्षा की तैयारी में जुटीं अनीत पड्डा, फिल्मी करियर से लिया ब्रेक

मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी फिल्म सैयारा ऑडियंस के दिलों में जगह बनाने वाली एक्ट्रेस अनीता पड्डा के सितारे इन दिनों बुलंदियों पर है। हाल ही में एक्ट्रेस की मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स में एंट्री हुई है। जल्द ही वो फिल्म शक्ति शालिनी में बतौर लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। हालांकि इस शूटिंग को पूरा करने से पहले अनीत ने पढ़ाई पर ध्यान देना जरूरी समझा है। दरअसल मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म की शूटिंग करने से पहले अनीत अपनी पढ़ाई पर फोकस कर रही हैं। वो जल्द ही फाइनल ईयर की एग्जाम देंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अनीत पड्डा इस वक्त बीए (ऑनर्स) पोलिटिकल साइंस की पढ़ाई कर रही हैं। रिपोर्ट में सोर्स ने बताया, अनीत इस वक्त अपने फाइनल ईयर की एग्जाम की तैयारी कर रही हैं। वो काम और पढ़ाई को अच्छे से बैलेंस कर रही हैं। यानी अनीत ने पढ़ाई के साथ ही साथ अपने काम के लिए भी वक्त निकाल लिया है। आने वाले दिसंबर और जनवरी में ग्रेजुएशन के फाइनल ईयर के एग्जाम देंगी। मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म शक्ति शालिनी एक रहस्यमयी देवी पर बेस्ड है, जो बुरी आत्माओं से लोगों की रक्षा करती है। फिल्म में अनीत पड्डा लीड रोल में है। उन्होंने इस फिल्म में कियारा आडवाणी को रिप्लेस किया है। वैसे तो ये फिल्म इसी साल के शुरुआत में रिलीज होने वाली थी लेकिन अब ये फिल्म 24 दिसंबर 2026 को रिलीज होगी। हालांकि इस फिल्म के आगे शेड्यूल होने और रिलीज में देरी का कारण अभी तक पता नहीं चला है। गौरतलब है कि अनीत पड्डा इस साल यशराज बैनर के तले बनी फिल्म सैयारा में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ अहान पांडे भी दिखाई दिए थे। ये फिल्म इस साल की बहुत बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म है। सिर्फ 60 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 550 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

ये जानवर नींद में भी नहीं बंद करते हैं आंख, खुली आंखों से ही सोते हैं

कुदरत की कई चीजों के बारे में तो लोग जानते हैं, लेकिन कुछ रहस्यमयी बातें ऐसी भी हैं जिनसे ज्यादातर लोग अनजान होते हैं। जब ऐसी कोई अनोखी चीज सामने आती है, तो लोग हैरान रह जाते हैं। ऐसी ही एक हैरान करने वाली बात है आंखें खोलकर सोना। आमतौर पर सभी जीव-जंतु आंखें बंद करके सोते हैं, मगर धरती पर कुछ ऐसे जानवर भी हैं जो नींद के दौरान अपनी आंखें बंद नहीं करते। आइए जानते हैं उनके बारे में।

इस लिस्ट में सबसे पहले आता है जिराफ का जिराफ जो अपने ऊंचे कद के लिए जाना जाता है। बता दें, कि शिकारी जानवरों से हमेशा खतरा रहने के कारण जिराफ खड़े-खड़े ही सो जाता है और आंखें खुली रखता है, ताकि आसपास के माहौल पर नजर रख सके।

इस लिस्ट में दूसरा नाम मगरमच्छ का है। मगरमच्छ भी ऐसा ही करता है, वह पानी के पास आराम करते हुए अपनी आंखें पूरी तरह बंद नहीं करता, जिससे वह शिकार और खतरे दोनों पर निगरानी रख सके। वहीं, सांप की आंखों पर पलकों की जगह एक पारदर्शी स्केल होता है, इसलिए ऐसा लगता है कि वह आंखें खुली रखकर सो रहा है।

इसके अलावा, डॉल्फिन का नींद का पैटर्न सबसे अलग है इसे स्लो वेव स्लीप कहा जाता है। इसमें उसके दिमाग का एक हिस्सा सोता है जबकि दूसरा हिस्सा सक्रिय रहता है, इसी वजह से डॉल्फिन एक आंख खोलकर सोती है ताकि पानी में मौजूद खतरों से खुद को सुरक्षित रख सके।

अजब-गजब | ये है भारत का सबसे रहस्यमई गांव!

यहां ना भारतीय संविधान चलता है और ना हिमाचल पुलिस की चलती है, ये लोग मानते हैं सिर्फ जमघट्टा देवता का कानून

पार्वती घाटी की 10,000 फीट ऊंचाई पर बसा है एक अनोखा गांव- मलाना। इसे भारत का सबसे रहस्यमयी गांव कहा जाता है। दुनिया इसे विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र भी कहती है। लेकिन ये गांव एक अजीब कारण से चर्चा में रहा है। इस गांव में एक अजीब सा कानून है। किसी मलानवी को छूना सख्त मना है। अगर गलती से भी हाथ लग गया तो 5,000 रुपये जुर्माना और गांव से हमेशा के लिए बहिष्कार कर दिया जाता है। 5000 साल पुरानी परंपरामलाना के लोग खुद को सिकंदर के सैनिकों का वंशज मानते हैं। उनकी भाषा कनाशी है जो दुनिया में कहीं और नहीं बोली जाती है। यहां ना भारतीय संविधान चलता है और ना हिमाचल पुलिस की चलती है। ये लोग सिर्फ जमघट्टा देवता का कानून मानते हैं।

यहां के लोग भारत का कानून नहीं मानते। गांव में 11 सदस्यों की संसद है ऊपरी हुकुम और निचली हुकुम। किसी क्राइम का फैसला देवता के जरिए होता है। ऐसे में दो ही तरह से इंसाफ होता है। एक में जहर, एक में सच। जिस रास्ते भेड़ जाए, वही फैसला माना जाता है। लेकिन इस गांव की एक अनोखी विशेषता है। इस गांव के लोगों को छूने की मनाही है। मलानवी मानते हैं कि वो शुद्ध जाति के हैं। बाहरी लोग अछूत हैं। ऐसे में अगर कोई उन्हें छू ले तो पूरी जाति अपवित्र हो जाती है। इसलिए ऐसा नियम बनाया गया है।

मलानवी से हाथ मिलाना मना है। उनका घर भी छूना मना है। इसके अलावा उनके रास्ते पर चलना भी मना है। अगर दुकान में सामान लिया है तो उसे खुद उठाना पड़ता है। वो नहीं छूते। अगर ये नियम टूटता है तो भारी जुर्माना लगाया जाता है। पहले जुर्माना 1000 था, अब 5,000 तक हो गया है। गांव में रात 8 बजे बाद बाहर निकलना मना है। इलेक्शन में औरतें वोट नहीं डाल सकतीं, लेकिन फैसला ले सकती हैं। यहां बिजली-पानी तो है, लेकिन इंटरनेट-मोबाइल सिग्नल जीरो है।

लाल किला विस्फोट के बाद पूरे देश में उबाल

कांग्रेस समेत पूरे विपक्ष ने की निंदा, सरकार पर दागे सवाल

» राहुल गांधी बोले- यह हृदयविदारक है, मैं पीड़ित परिवारों के साथ हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट में हुई मौतों के बाद पूरे देश में नाराजगी है। विपक्ष ने सरकार से पूछा है कि इस लापरवाही व दर्दनाक घटना का जिम्मेदार कौन है। कांग्रेस समेत कई दलों के नेताओं ने अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। नेता प्रतिपक्ष लोक सभा राहुल गांधी ने कहा कि वह दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े हैं और सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। इस लाल किला विस्फोट की खबर को अत्यंत दुखद बताते हुए आदित्य ठाकरे और सुप्रिया सुले ने भी पीड़ितों के लिए प्रार्थना की है।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन पर हुए दुखद कार विस्फोट पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। गांधी ने कहा कि वह उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। गांधी ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार विस्फोट की खबर बेहद हृदयविदारक और चिंताजनक है। इस दुखद घटना में कई निर्दोष लोगों की मौत की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने आगे कहा, दुख की इस घड़ी में, मैं उन शोक संतप्त परिवारों के साथ हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है और उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

घटना की पूरी जांच जल्द से जल्द होनी चाहिए : आतिशी

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने ट्वीट किया, लाल किले के पास हुए धमाके की खबर बेहद चिंताजनक है घटना की पूरी जांच जल्द से जल्द होनी चाहिए ताकि सच्चाई सामने आए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो सके दिल्ली की जनता की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। मनीष सिसोदिया ने कहा, दिल्ली में हुए विस्फोट की खबर बेहद चिंताजनक है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रार्थना है कि दिल्ली और देश के सभी नागरिक सुरक्षित रहें ऐसे समय में शांति और संयम बनाए रखना ही सबसे बड़ी ताकत है आतंक और भय का जवाब हमारी एकजुटता से ही दिया जा सकता है।

सुरक्षा को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं : केजरीवाल

दिल्ली में लाल किला के पास कार में हुए धमाके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व मुख्यमंत्रियों समेत कई लोगों ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे लेकर कहा कि सुरक्षा को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, लाल किले के पास हुए धमाके की खबर बेहद चिंताजनक है. बताया जा रहा है कि इसमें कुछ लोगों की जान भी गई है, ये बेहद दुखद है। पुलिस और सरकार को तुरंत इसकी जांच करनी चाहिए कि ये धमाका कैसे हुआ और क्या इसके पीछे कोई बड़ी साजिश तो नहीं है दिल्ली की सुरक्षा को लेकर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

हेमंत ने भी व्यक्त की संवेदना

वहीं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ट्वीट किया, दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट से लोगों की मरने की खबर से मन अत्यंत व्यथित है। मरांग बुरु दिवंगत लोगों की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दें। इस वीभत्स घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं।

सुप्रिया सुले ने भी व्यक्त किया दुख

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले, शरद पवार ने भी इस घातक घटना पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने एक्स पर लिखा, दिल्ली के लाल किले के पास हुए विस्फोट में बहुमूल्य जानों के नुकसान के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन परिवारों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

आदित्य ने घटना पर जताया शोक

इस बीच, महाराष्ट्र विधानसभा सदस्य आदित्य ठाकरे ने भी इस घटना पर दुख व्यक्त किया। दिल्ली में लाल किले के पास हुआ विस्फोट वाकई चौंकाने वाला है। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं, साथ ही इस भयानक विस्फोट में जान गंवाने वालों के लिए भी प्रार्थना करता हूं।

आईपीएल 2026 : क्या रोहित–अभिषेक की बनेगी जोड़ी?

» एसआरएच का हिटमैन को ऑफर, बदले में ट्रैविस हेड को मुंबई भेजने को तैयार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। आईपीएल 2026 की तैयारियों के बीच मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बड़े ट्रेड की अटकलों ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। सोशल मीडिया पर जारी हलचल के मुताबिक, एसआरएच ने हिटमैन रोहित शर्मा के लिए ऑफर दिया है, जिसमें बदले में वह अपने स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड को मुंबई भेजने को तैयार हैं। हालांकि, अभी तक दोनों फ्रेंचाइजियों की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन इस ट्वीट ने फैंस के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। आईपीएल 2026 के लिए टीमों को इस महीने रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की लिस्ट जारी करनी है। इससे पहले चर्चाओं का बाजार गर्म है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के भी सीएसके में ट्रेड किए जाने की अटकलें तेज हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक आरआर ने बदले में रवींद्र जडेजा और मथीशा पथिराना की मांग की है।

फिलहाल मुंबई इंडियंस ने इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि, कुछ समय पहले टीम के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने भी फैंस के बीच कयासों को हवा दी थी।

रोहित शर्मा, जिन्होंने मुंबई इंडियंस को पांच आईपीएल खिताब जिताए, पिछले कुछ महीनों से अपने भविष्य को लेकर सुर्खियों में हैं। वह अपनी टीम की बल्लेबाजी की रीढ़ हैं। वहीं ट्रैविस हेड, जिन्होंने 2023 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ यादगार पारी खेली थी, एसआरएच के लिए पिछले कुछ सीजन में दमदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और पॉवरप्ले में आक्रामक शैली उन्हें एमआई के लिए आकर्षक विकल्प बनाती है।

ऋचा घोष के नाम पर बनेगा सिलीगुड़ी में स्टेडियम

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की स्टार विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक और तोहफा दिया है। उन्होंने एलान किया है कि सिलीगुढ़ी में युवा खिलाड़ी के नाम पर स्टेडियम बनेगा। इससे पहले सीएम ने उन्हें बंगभूषण सम्मान और बंगाल पुलिस में डीएसपी का नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया था। मुख्यमंत्री ने कहा, ऋचा क्रिकेट स्टेडियम चांदमणि चाय बागान में 27 एकड़ के भूखंड पर बनाया जाएगा। यह बंगाल की एक चमकदार खेल प्रतिभा, ऋचा को सम्मानित करने और उत्तर बंगाल के युवा क्रिकेटरों को प्रोत्साहित करने का एक तरीका है। राज्य सरकार जल्द ही इस परियोजना पर काम शुरू करेगी।

आईआईटी प्लेसमेंट डेटा छिपा रही सरकार

» जयराम ने भाजपा को घेरा आईआईटी में सैलरी गिरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने रोजगार को लेकर एकबार फिर मोदी सरकार तीखा वार किया है। जयराम रमेश ने मोदी सरकार पर आईआईटी प्लेसमेंट डेटा छिपाने का आरोप लगाया। नए आंकड़े कैंपस प्लेसमेंट में छात्रों के चयन व औसत वेतन पैकेज में भारी गिरावट दर्शाते हैं। रमेश ने इसे बढ़ती बेरोजगारी व वेतन स्थिरता का गंभीर संकेत बताया, जो प्रतिष्ठित संस्थानों को भी प्रभावित कर रहा है, जिससे देश की आर्थिक चुनौतियां उजागर होती हैं। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने सोमवार को मोदी सरकार पर आईआईटी से कथित तौर पर डेटा छिपाने का आरोप लगाया, जिसमें प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों के प्रतिशत और कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से अंतिम वर्ष के बीटेक छात्रों द्वारा प्राप्त औसत वेतन पैकेज में काफी गिरावट दिखाई गई है।

कांग्रेस सांसद ने एक मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए लिखा कि आईआईटी के नए आंकड़े – जिन्हें मोदी सरकार ने संकलित किया लेकिन प्रकाशित नहीं किया – प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों के प्रतिशत और कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से अंतिम वर्ष के बीटेक छात्रों द्वारा प्राप्त औसत वेतन पैकेज में उल्लेखनीय गिरावट दिखाते हैं। रमेश ने आरोप लगाया कि 2021–22 और 2023–24 के बीच – सात सबसे पुराने आईआईटी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में 11 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन में 0.2 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। अगले सबसे पुराने आठ आईआईटी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में 9 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन पैकेज में 2.2 लाख रुपये की गिरावट देखी गई। आठ सबसे नए आईआईटी में प्लेसमेंट पाने वाले छात्रों में 7.3 प्रतिशत अंकों की गिरावट और वेतन पैकेज में 1 लाख रुपये की गिरावट देखी गई।

अंतर्राष्ट्रीय रोजगार स्थानांतरण अधिनियम खतरनाक

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को अमेरिकी सीनेट में पेश किए गए अंतर्राष्ट्रीय रोज़गार स्थानांतरण अधिनियम या हायर अधिनियम पर चिंता जताई और कहा कि इसके भारत के आईटी और सेवा क्षेत्रों पर दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि हायर अधिनियम अमेरिका में इस बढ़ती मानसिकता को दर्शाता है कि भारत में सफेदपोश नौकरियां नहीं जानी चाहिए, ठीक उसी तरह जैसे चीन में नीलीपोश नौकरियां गायब हो गईं। इस संरक्षणवादी भावना के भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकते हैं।

नगर निगम की कार्यकारिणी एवं सामान्य सदन की बैठकें 13 व 14 को

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ की स्थगित कार्यकारिणी समिति की सामान्य बैठक अब पुनः 13 नवम्बर को पूर्वान्ह 11 बजे नगर निगम मुख्यालय लालबाग स्थित बाबू राजकुमार श्रीवास्तव कक्ष में आयोजित की जाएगी। पूर्व में 24 अक्टूबर को आयोजित कार्यकारिणी समिति की बैठक में लिए गए संकल्पों की पुष्टि न हो पाने के कारण यह बैठक स्थगित कर दी गई थी।

उस समय यह निर्देश दिए गए थे कि जब सभी लंबित संकल्पों पर नगर निगम द्वारा कार्यवाही पूर्ण कर ली जाए, तब बैठक बुलाने की सूचना दी जाए। इसके अतिरिक्त सदन की सामान्य बैठक जो पूर्व में 04 सितम्बर को हुई थी अब उन विषयों पर चर्चा हेतु 14 नवम्बर को नगर निगम मुख्यालय में बैठक आहूत की गई है।

एसआईआर के जरिए वोटबंदी की साजिश

» ममता बोलीं- मेरा गला काट दो पर मतदाता न हटाओ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सुपर इमरजेंसी और वोटबंदी बताते हुए तत्काल रोकने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया भाजपा का राजनीतिक हथियार है, जिसका उद्देश्य योग्य मतदाताओं को सूची से हटाना है, और एक भी असली मतदाता का नाम न काटने की चेतावनी दी। प. बंगाल की मुख्यमंत्री ने भारत के चुनाव आयोग से विभिन्न राज्यों में मतदाता सूचियों के एसआईआर को रोकने की मांग की है और इसे सुपर इमरजेंसी बताया है।

उत्तर बंगाल में एक प्रशासनिक बैठक में बोलते हुए, ममता ने आयोग पर चुनाव अधिकारियों को व्यस्त रखने का आरोप लगाया ताकि सरकार अगले तीन महीनों तक ठीक से काम न कर सके। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रि या पर रोक लगा दी जानी चाहिए। ममता ने कहा कि यह लोगों को बदनाम करने की जानबूझकर की गई कोशिश है। इतने लोग मारे गए, आयोग ने एक भी शोक संदेश नहीं दिया। उन्होंने कहा, आप मुझे जेल भेज सकते हैं या मेरा गला काट सकते हैं, लेकिन एक भी असली मतदाता का नाम मत काटो। बनर्जी ने चुनाव से पहले एसआईआर कराने की ज़रूरत पर संदेह जताया और इसे वोटबंदी की कवायद बताया।

बिहार चुनाव: दूसरे चरण में जमकर हो रहा मतदान

» सभी दलों ने अपनी- अपनी जीत के दावे किए

» अब तक 47.62 फीसदी वोटिंग

» बिहार में परिवर्तन की बड़ी लहर : मनोज झा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में दूसरे चरण में भी जमकर वोटिंग हो रही है। इस वोटिंग के आधार पर सभी अपनी दन अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं। दूसरे चरण में अब तक 47.62 फीसदी वोटिंग हो चुकी है। राष्ट्रीय जनता दल के सांसद मनोज झा ने मंगलवार को बिहार चुनाव में महागठबंधन की जीत का विश्वास जताते हुए कहा कि पहले चरण के मतदान में जो बदलाव देखने को मिला, वह एक बड़ी लहर में बदल गया है, जो राज्य से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को उखाड़ फेंकेगा।

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नौकरियों, पलायन और सामाजिक सुरक्षा के मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए कई चुनावी हथकंडे अपनाए हैं, लेकिन बिहार के लोगों ने इन्हें नकार दिया है और अब असली मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

राजद नेता ने बताया कि पहले चरण में जो बदलाव हमारे दरवाज़े पर दस्तक दे रहा था, वह अब बदलाव की एक बड़ी लहर में बदल रहा है... प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और अनगिनत अन्य मंत्रियों ने बिहार में माहौल बदलने की पूरी कोशिश की ताकि कोई भी रोज़गार, पलायन या सामाजिक सुरक्षा पर चर्चा न कर सके। लेकिन बिहार अपने रुख़ से नहीं हटा है। मनोज झा ने हाल ही में दिल्ली में हुए बम धमाकों में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि घरेलू राजनीतिक मामलों में राष्ट्रीय सुरक्षा को न घसीटा जाए; कड़ी कार्रवाई की जाए।

दोपहर एक बजे तक 47.62 फीसदी मतदान

दूसरे चरण में बंपर वोटिंग जारी है। दोपहर एक बजे तक 47.62 फीसदी मतदान हुआ है। निर्वाचन आयोग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम चंपारण में 48.91फीसदी , पूर्वी चंपारण में 48.01फीसदी , शिवहर में 48.23फीसदी, सीतामढ़ी में 45.28फीसदी, मधुबनी में 43.39फीसदी, सुपौल में 48.22फीसदी, अररिया में 46.87फीसदी, किशनगंज में सबसे अधिक 51.86फीसदी, पूर्णिया में 49.63फीसदी, कटिहार में 48.50फीसदी, भागलपुर में 45.09फीसदी, बांका में 50.07फीसदी, कैमूर (भभुआ) में 49.89फीसदी, रोहतास में 45.19फीसदी, अरवल में 47.11फीसदी, जहानाबाद में 46.07फीसदी, औरंगाबाद में 49.45फीसदी, गया में 50.95फीसदी, नवादा में 43.45फीसदी, तथा जमुई में 50.91फीसदी मतदान दर्ज किया गया है।

कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने मतदाताओं से बड़ी संख्या में वोट करने की अपील की

कांग्रेस नेता वेणुगोपाल ने मतदाताओं से बड़ी संख्या में मतदान प्रक्रिया में भाग लेने का आग्रह किया। बिहार में 2025 के विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण आज सुबह 7:00 बजे राज्य के 20 जिलों के 122 निर्वाचन क्षेत्रों में शुरू हुआ। बिहार चुनाव के दूसरे चरण में कुल 3,70,13,556 मतदाता मतदान करेंगे, जिनमें 1,95,44,041 पुरुष मतदाता और 1,74,68,572 महिला मतदाता शामिल हैं। 943 तृतीय लिंग मतदाता भी चुनाव में अपना वोट डालेंगे।

रोहतास में लोगों ने किया वोट बहिष्कार

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में मतदान के बीच रोझईं गांव के ग्रामीणों ने प्राथमिक विद्यालय की मांग को लेकर वोट का बहिष्कार किया है। बच्चे भी गांव में नारे लगाते हुए बहिष्कार में शामिल हैं। प्रशासन की टीम ग्रामीणों को मनाने में जुटी है, लेकिन दोपहर दो बजे तक किसी ने वोट नहीं डाला। पिछले चुनाव में भी इसी मुद्दे पर बहिष्कार हुआ था, जब प्रशासन के आश्वासन पर मतदान हुआ था, लेकिन विद्यालय का निर्माण अब तक नहीं हुआ। ग्रामीण इस बार अपने फैसले पर अडिग हैं और पहले की तरह आश्वासन से संतुष्ट नहीं हैं।

जीतन राम मांझी बोले- 160 सीटों पर एनडीए की जीत तय

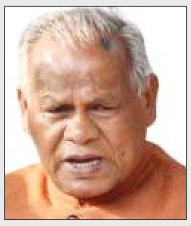

गया के महकार में केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने मतदान के बाद कहा कि महागठबंधन की सरकार की संभावना दूर-दूर तक नहीं है। उन्होंने तेजस्वी यादव पर बयान देते हुए कहा कि वह ख्याली पुलाव बना रहे हैं और हर चीज में कमाई की तलाश कर रहे हैं। मांझी ने विश्वास जताया कि 14 नवंबर को एनडीए को कम से कम 160 सीटों पर एनडीए की जीत तय है। नीतीश कुमार अगले मुख्यमंत्री होंगे। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए गए हैं, और उनकी कोशिशों को विफल किया गया है। मांझी के कहा कि नीतीश कुमार की वापसी सभी की पहली पसंद है।

दिल्ली धमाके के बाद गृहमंत्री अमित शाह पर चौतरफा वार

» कांग्रेस ने साधा निशाना बोली- इस्तीफा देकर घर जाना चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के लाल किले के सामने हुए धमाके को लेकर सियासत भी तेज हो गई हैं, कांग्रेस पार्टी ने इन धमाकों को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि वो तो कहते हैं कि कोई घुसपैठिया नहीं घुस रहा तो ये घटनाएं कैसे हो रही हैं।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह दावा करते हैं कि कोई घुसपैठिया नहीं घुस रहा है, तो फिर ये घटनाएं कैसे हो रही हैं? कुछ दिन पहले पहलगाम में हमारे बच्चों की हत्या कर दी गई। वो देख रहे हैं कि क्या हो रहा है। फिर भी कहते रहते हैं कि वो सब ठीक कर देंगे। इससे पहले, 2019 के चुनावों से ठीक पहले पुलवामा में घटना हुई थी, इसकी हमले की भी कोई जांच नहीं हुई। पूरा देश तनाव में है, कई निर्दोष लोग मारे गए हैं। अब इस घटना की जिम्मेदारी कौन लेगा? इसके लिए सीधे तौर पर अमित शाह जिम्मेदार हैं। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने भी इस घटना पर चिंता जताई और कहा कि कल सुबह ही फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक बरामद हुआ था, काश उस समय सरकार प्रिकॉशन लेती। वो तो जम्मू कश्मीर की पुलिस ने यहां आकर इसे बरामद किया है। ये घटना बेहद दुखद हैं। मैं मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं और जो घायल हैं उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने पूछे सवाल

प्रमोद तिवारी ने कहा कि क्योंकि यह घटना भारत की राजधानी दिल्ली में हुई है इसलिए सरकार को इसे चुनौती के रूप में स्वीकार करना चाहिए, दोषियों का जल्द से जल्द पता लगाया जाना चाहिए, कोई साजिश है तो उसे भी सामने लाया जाना चाहिए और भविष्य में ऐसी कोई घटना ना हो इसके भरपूर प्रयास किए जाने चाहिए।

विपक्ष मिलकर मुद्दे को संसद में उठाएंगे

जहां तक सवाल है विस्तृत रूप से तो लोकसभा और राज्यसभा का सत्र 1 दिसंबर से बुलाया गया है। मुझे पूरा भरोसा है कि हम और विपक्ष मिलकर इस मुद्दे को संसद में उठाएंगे और सरकार इस पर विस्तार से जवाब देगी और विस्तृत जानकारी देगी। फिलहाल हम इस ओर अपनी संवेदना व चिंता व्यक्त करते हैं।

एनआईए को सौंपी मामले की जांच

दिल्ली पुलिस ने लाल किले के पास हुए विस्फोट के मामले में मंगलवार को यूएपीए के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की और राष्ट्रीय राजधानी में कई स्थानों पर छापे मारे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, लाल किले के पास जिस कार में सोमवार शाम को विस्फोट हुआ उसके चालक का कथित तौर पर फरीदाबाद स्थित आतंकवादी मॉड्यूल से संबंध था। सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार शाम हुए विस्फोट के मद्देनजर आज एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस हमले में 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इस बैठक में केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो (आईबी) के निदेशक तपन डेका, दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) के महानिदेशक सदानंद वसंत दाते शामिल हुए। जम्मू कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात डिजिटल माध्यम से इस बैठक में शामिल हुए।

सपा नेता आजम खां को कोर्ट से राहत

» साक्ष्य न मिलने से भड़काऊ भाषण केस में बरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। सिविल लाइंस थाने में छह साल पहले सपा नेता आजम खां पर दर्ज भड़काऊ भाषण के मामले में कोर्ट ने फैसला सुनाया है। मंगलवार को हुई सुनवाई में साक्ष्य के अभाव में आजम खां को बरी कर दिया है। 2019 के लोकसभा चुनाव में तत्कालीन एसडीएम सदर पीपी तिवारी की ओर से सपा नेता आजम खां के खिलाफ भड़काऊ भाषण का मामला दर्ज कराया गया था।

यह मामला कोर्ट में विचाराधीन था। इस मामले में अभियोजन और बचाव पक्ष की ओर से अंतिम बहस पूरी हो चुकी थी। मंगलवार को इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के लिए सपा नेता आजम खां दोपहर में कोर्ट पहुंचे, जहां पर मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद एमपी एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट शोभित बंसल ने साक्ष्य के अभाव में सपा नेता को बरी कर दिया।

निठारी हत्याकांड के आरोपी सुरेंद्र कोली को 'सुप्रीम' राहत

» सुप्रीम कोर्ट ने किया रिहाई का रास्ता साफ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। निठारी हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट से सुरेन्द्र कोली को बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने आखिरी मामले में उसकी उम्रकैद की सजा का फैसला वापस ले लिया है। तीन जजों की बेंच ने ये फैसला सुनाया है। बता दें कि नौकर सुरेन्द्र कोली 12 मामलों में पहले ही बरी हो चुका है।

दरअसल 7 अक्टूबर को एक मामले में दोषी सुरेन्द्र कोली का क्यूरेटिव याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा गया था. सुप्रीम कोर्ट में तीन जजों की बेंच ने फैसला सुरक्षित रखा था. हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा पर सुप्रीम कोर्ट को फैसला करना था। सीजेआई बी आर गवई, जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणियां की थीं। सीजेआई गवई ने कहा कि ये मामला एक मिनट में अनुमति देने वाला है। अगर इस मामले में बाकी मामलों में बरी होने के बाद भी उसे दोषी ठहराया जाए तो एक अजीब स्थिति पैदा हो जाएगी। क्या यह न्याय का उपहास नहीं होगा? जस्टिस विक्रम नाथ ने भी कहा दोषसिद्धि बयान और रसोई के चाकू की बरामदगी पर आधारित है। क्या यह संभव है कि रसोई के चाकू से हड्डियां काटी जाएं। सुरेंद्र कोली 12 मामलों मे बरी हो चुका है लेकिन एक मामले में उसे उम्रकैद की सजा मिली है. उम्रकैद की सजा के खिलाफ दाखिल कोली की पुनर्विचार याचिका खारिज हो चुकी थी. अब कोली ने सुप्रीम कोर्ट मे क्यूरेटिव पिटीशन दाखिल कर उम्रकैद की सजा को चुनौती दी। कोली पर 2005 और 2007 के बीच हुए इस चौंकाने वाले अपराध में बलात्कार और हत्या के 13 मामले थे।

निर्वाचन आयोग से सुप्रीम कोर्ट ने मांगा जवाब

शीर्ष अदालत ने 2 हफ्ते का दिया समय, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के खिलाफ द्रमुक, माकपा, पश्चिम बंगाल कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस नेताओं की याचिकाओं पर निर्वाचन आयोग से जवाब मांगा।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्वाचन आयोग से तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर कवायद को चुनौती देने वाली द्रमुक, कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई और तृणमूल कांग्रेस की अलग-अलग याचिकाओं पर दो सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा। शीर्ष अदालत बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण करने के निर्वाचन आयोग के फैसले की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर पहले से ही सुनवाई कर रही है। निर्वाचन आयोग ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की कवायद को 'सटीक' बताते हुए न्यायालय से 16 अक्टूबर को कहा था कि याचिकाकर्ता राजनीतिक दल और गैर सरकारी संगठन इस प्रक्रिया को केवल बदनाम करने के लिए झूठे आरोप लगाकर संतुष्ट हैं।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।